TenderHeart HighSchool, Sector - 33-B, Chandigarh
Date - Class- VI
Subject - Hindi Literature Page- 1
Subject-Teacher- Ms. Roma Rani

Answer Key

पाठ-3 'मेरे स्कूल के दिन'

निम्नलिखित उत्तर संक्षेप में लिखो :-

(क) गाँधी जी की आत्म कथा का नाम ही 'सत्य के प्रयोग' हैं, जिसमें उन्होंने अपनी गलतियों के बारे में खुलकर लिखा। इससे पता चलता हैं कि गाँधी जी सदैव सच बोलते थे।

(ख) गाँधी जी के मुख्य अध्यापक 'दोराबजी एदलजी गीमी' थे। वे विद्यार्थी प्रेमी थे क्योंकि वे नियमों का पालन करवाते थे। व्यवस्थित रीति से काम लेते थे और अच्छी तरह पढ़ाते थे।

निम्नलिखित उत्तर विस्तार से लिखो :-

(क) गाँधी जी जब कक्षा पहली या दूसरी में थे तब उनके अध्यापक से गाँधी जी की पिटाई हुई थी। उन्हें मार का दुख नहीं था, पर वो दंड के पात्र माने गए, इस बात का उन्हें बड़ा दुख हुआ, तब गाँधी जी खूब रोए भी थे।

(ख) गाँधी जी को अपनी होशियारी पर कोई गर्व नहीं था, परन्तु जब उनको कक्षा में इनाम या छात्रवृत्ति मिलती थी तब गाँधी जी को आश्चर्य होता था। ये छात्रवृत्तियाँ सब विद्यार्थियों के लिए नहीं थी, बल्कि सोरठवासियों में से सर्वप्रथम आने वालों के लिए थी।

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date -   Class - VI

Subject - Hindi Literature   Page - 2

Subject Teacher - Ms. Roma Rani

Answer key

(ग) गाँधी जी को विद्यालय में छात्रवृत्ति इसलिए मिलती थी क्योंकि विद्यालय में उनका आचरण अच्छा था, पढ़ाई में होनहार होने के कारण दूसरी कक्षा के बाद उन्हें पुरस्कार भी मिले। पाँचवी तथा छठी कक्षा में लगातार प्रतिमास चार और दस रुपयों की छात्रवृत्ति भी मिलती थी। गाँधी जी का मानना था कि इसमें उनकी होशियारी की अपेक्षा भाग्य का अंश अधिक था।

Last page.

Scanned with CamScanner